श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 79, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार, 24 अक्टूबर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

पानी की बर्बादी करने पर अब होगी 5 साल की सजा देना होगा एक लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, आईएएनएस। पानी की बर्बादी करने वालों को अब सावधान रहने की जरूरत है। कोई भी व्यक्ति और सरकारी संस्था यदि भूजल स्रोत से हासिल होने वाले पीने योग्य पानी (पोटेबल वाटर) की बर्बादी या बेवजह इस्तेमाल करता है तो यह एक दंडात्मक अपराध माना जाएगा। इससे पहले भारत में पानी की बर्बादी को लेकर दंड का कोई प्रावधान नहीं था। घरों की टंकियों के अलावा कई बार टैंकों से जगह-जगह पानी पहुंचाने वाली नागरिक संस्थाएं भी पानी की बर्बादी करती है। सीजीडब्ल्यूए के नए निर्देश के अनुसार पीने योग्य पानी का दुरुपयोग भारत में 1 लाख रुपये तक के जुमार्ना और 5 साल तक की जेल की सजा के साथ

दंडनीय अपराध होगा।

सीजीडब्ल्यूए ने पानी की बर्बादी और बेवजह इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए 08 अक्तूबर, 2020 को पर्यावरण (संरक्षण) कानून, 1986 की धारा पांच की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए प्राधिकरणों और देश के सभी लोगों को संबोधित करते हुए अपने आदेश में कहा है कि इस आदेश के जारी होने की तारीख से संबंधित नागरिक निकाय जो कि राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में पानी आपूर्ति नेटवर्क को संभालती हैं और जिन्हें जल बोर्ड, जल निगम, वाटर वर्क्स डिपार्टमेंट, नगर निगम, नगर पालिका, विकास प्राधिकरण, पंचायत या किसी भी अन्य नाम से पुकारा जाता है, वो यह सुनिश्चित करेंगी कि भूजल से हासिल होने वाले पोटेबल वाटर यानी पीने योग्य पानी की बबार्दी और उसका बेजा इस्तेमाल नहीं होगा। इस आदेश का पालन करने के लिए सभी एक तंत्र विकसित करेंगी और आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक उपाय किए जाएंगे। देश में कोई भी व्यक्ति भू-जल स्रोत से हासिल पीने योग्य पानी का बेवजह इस्तेमाल या बर्बादी नहीं कर सकता है।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने राजेंद्र त्यागी और गैर सरकारी संस्था फ्रैंड्स की ओर से बीते वर्ष 24 जुलाई, 2019 कोपानी की बबार्दी पर रोक लाने की मांग वाली याचिका पर पहली बार सुनवाई की थी। बहरहाल इसी मामले में करीब एक साल से ज्यादा समय के बाद 15 अक्तूबर, 2020 के एनजीटी के आदेश का अनुपालन करते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अधीन केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) ने आदेश जारी किया है।

सेना की कैंटीन में अब नहीं मिलेंगे आयातित उत्पाद, विदेश से आयात सामान की बिक्री पर रोक

नई दिल्ली, रायटर। केंद्र सरकार ने सेना की कैंटीन में विदेश से आयात किए गए सामान की बिक्री पर रोक लगा दी है। सरकार का यह आदेश देश की चार हजार से अधिक सैन्य कैंटीन पर लागू होगा। अभी तक सेना की कैंटीन से आयातित शराब, इलेक्ट्रानिक उपकरण और अन्य वस्तुओं की बिक्री हो रही थी। सेना के अधिकारियों, जवानों और पूर्व सैनिकों को रियायती दर पर यह सामान उपलब्ध कराया जा रहा था।

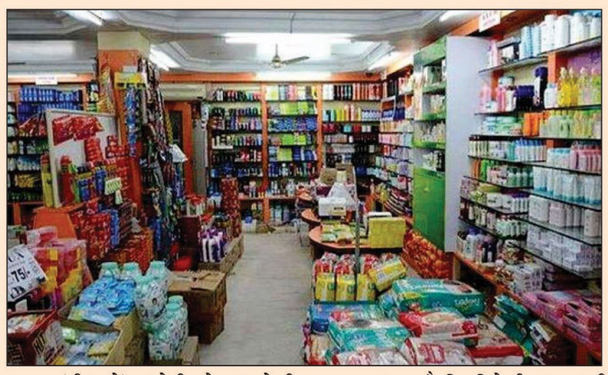

जानकारी के अनुसार 19 अक्टूबर को सरकार ने एक आदेश जारी कर सेना की कैंटीन से विदेशी सामान की बिक्री पर रोक लगा दी। आदेश में कहा गया कि इस मुद्दे पर सेना, नौसेना और वायुसेना के साथ मई से जुलाई के बीच बातचीत की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किए गए अभियान के तहत सेना की कैंटीन से विदेशी सामान की बिक्री रोकने का निर्णय लिया गया। इस आदेश में हालांकि किसी खास उत्पाद का उल्लेख नहीं है लेकिन समझा जाता है कि विदेशी शराब की बिक्री पर रोक लग सकती है। इंस्टीट्यूट फार डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस के अनुसार सेना की कैंटीन से बिकने वाले कुल सामान में आयातित सामान औसतन छह से सात फीसद तक होता है।

सोमालिया में फंसे 33 भारतीयों की वापसी के लिए जयशंकर ने जताया आश्वासन

नई दिल्ली, एएनआइ। विदेश मंत्री जयशंकर इस वक्त सोमालिया में फंसे 33 भारतीयों की वापसी के लिए कार्य कर रहे हैं। खुद उन्होंने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि नैरोबी में उच्चायोग ने सोमालियाई अधिकारी इस संदर्भ में कार्य कर रहे हैं। शुक्रवार को मंत्री ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के 25 श्रमिकों सहित तैंतीस भारतीय मजदूरों को सोमालिया की एक कंपनी ने पिछले आठ महीनों से कथित तौर पर बंधक बना रखा है। जहां पर वह 10 महीने पहले शामिल हुए थे। विदेश मंत्री ने बताया कि 10 महीने पहले जब श्रमिकों ने वह कंपनी ज्वाइन की थी तो उस दौरान कंपनी की तरफ से उनके साथ अच्छा व्यवहार किया गया, लेकिन पिछले 10 महीने से मजदूरों को उनका वेतन नहीं दिया गया है। जयशंकर ने बताया कि उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि सरकार भारत में सोमाली दूतावास के भी संपर्क में हैं।

गौरतलब है कि इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा था कि भारत और चीन सीमा गतिरोध को हल करने के लिए वार्ता कर रहे हैं। इस पर पहले से अनुमान नहीं लगाना चाहता। वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजित 'ब्लूमबर्ग इंडिया इकोनॉमिक फोरम' में चीन से वार्ता के नतीजों के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने यह बात कही। सम्मेलन के दौरान सीमा की स्पष्ट स्थिति के सवाल पर उन्होंने कहा, 'वार्ता चल रही है और यह दोनों देशों के बीच की गोपनीय बात है। मैं सार्वजनिक रूप से बहुत ज्यादा कुछ कहने की स्थिति में नहीं हूं। मैं निश्चित रूप से इसके लिए पहले से कोई अनुमान नहीं लगाना चाहता हूं।' तिब्बत की स्थिति के साथ-साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के घटनाक्रम पर जयशंकर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हमें अन्य मुद्दों पर विचार करना चाहिए, जिनका स्पष्ट रूप से लद्दाख में वर्तमान स्थिति से कोई लेना-देना नहीं है। सीमा पर शांति बनाए रखने को लेकर 1993 से अब तक कई समझौतों पर हस्ताक्षर करने के बाद से भारत और चीन के बीच संबंधों में सुधार हुआ। पिछले 30 वर्षों से हमने सीमा पर शांति आधारित संबंध बनाए हैं।' उन्होंने कहा कि शांति के माहौल को सुनिश्चित नहीं किया गया और जिन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए थे उनका पालन नहीं किया गया।

कृषि कानूनों को निरस्त करने की कवायद: राज्यों के पास केंद्र को अंगूठा दिखाने का अधिकार नहीं

माला दीक्षित, नई दिल्ली। हाल में संसद से पास हुए केंद्रीय कृषि कानूनों को निरस्त करते हुए हाल में पंजाब ने तीन विधेयकों को पारित तो कर लिया, लेकिन यह एक राजनीतिक संकेत से ज्यादा नहीं। दरअसल इन विधेयकों पर न सिर्फ राष्ट्रपति की मंजूरी चाहिए बल्कि इसके बाद भी केंद्र को अधिकार होगा कि इसी विषय पर नया कानून बनाए या फिर राज्यों के संशोधित कानूनों को निरस्त कर दे।

पंजाब के बाद अब छत्तीसगढ़, राजस्थान जैसे कांग्रेस शासित राज्यों में पंजाब की तर्ज पर ही विधानसभा से कानून लाकर केंद्रीय कानून को निरस्त करने की कवायद शुरू हो रही है, लेकिन संविधान के जानकारों के अनुसार संविधान समवर्ती सूची के विषय पर राज्यों के पास इस तरह केंद्र

को अंगूठा दिखाने का अधिकार ही नहीं है। संविधान विशेषज्ञ सुभाष कश्यप कहते हैं कि अभी विधानसभा ने बिल पास किया है वह कानून नहीं बना है। केंद्रीय कानून को निष्प्रभावी करने वाले विधेयक को राज्यपाल सहमति नहीं देंगे। हो सकता है कि राज्यपाल बिल को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति को भेजें। इसका मतलब है कि मामला फिर केन्द्र के पास आएगा। राज्य का कोई भी बिल तभी कानून बनता है जबकि राज्यपाल उसे मंजूरी देते हैं। राज्यपाल भी विधानसभा का हिस्सा होता है। राज्यपाल के पास तीन विकल्प हैं वे मंजूरी दे सकते हैं, विधेयक को रोक सकते हैं, राष्ट्रपति को भेज सकते हैं। राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए कोई समयसीमा तय नहीं है। स्पष्ट है कि कांग्रेस शासित राज्यों की कवायद राजनीतिक कदम भर साबित होगी। गौरतलब है कि केंद्रीय कृषि कानून के बाद सबसे पहले पंजाब सरकार और वहां के राजनीतिक दलों की ओर से पूरे राज्य को मंडी बनाने की बात हुई थी ताकि मंडी कांप्लैक्स के बाहर अनाज पर कोई टैक्स न लगने के कानून को निष्प्रभावी बनाया जा सके। नए विधेयक में पंजाब सरकार ने एमएसपी को आवश्यक बनाया है।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने पूछा- माननीयों के खिलाफ कितने आपराधिक मामले लंबित, कितनों में स्थगन?

जबलपुर, जेएनएन। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने रजिस्ट्रार जनरल से पूछा है कि वर्तमान व पूर्व सांसदों--विधायकों ([माननीयों)] के खिलाफ हाई कोर्ट में कितने मामले लंबित हैं? विशेषतः उन मामलों की जानकारी दी जाए, जिनमें स्थगन आदेश जारी किए गए हैं? कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजय यादव व जस्टिस सुजय पॉल की युगलपीठ ने अगली सुनवाई छह नवंबर तय की है। इस बीच हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को उक्त सवालों के जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 16 सितंबर 2020 को सभी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से कहा था कि वे उनके यहां लंबित सांसद--विधायक से संबंधित आपराधिक मामलों को तत्काल सुनवाई के लिए उचित पीठ के समक्ष लगाएं। विशेषकर जिनमें कोर्ट ने रोक आदेश जारी कर रखा है। उनमें यह देखा जाए कि रोक जारी रहना जरूरी है भी या नहीं। आवश्यक है, तो उस मामले को नियमित सुनवाई कर दो माह में निपटाया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि इस काम में कोरोना महामारी बाधा नहीं हो सकती, क्योंकि ये सारे मामले वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सुने जा सकते हैं। सभी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से मामले के निपटारे के लिए जरूरी विशेषष अदालतों की संख्या और संसाधनों के बारे में कार्ययोजना तैयार कर-के भेजने के निर्देश भी दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि मुख्य न्यायाधीशगण यह भी विचार करें कि जिन मुकदमों की सुनवाई तेजी से चल रही है, उन्हें दूसरी अदालत में स्थानांतरित करने की जरूरत है या नहीं। मुख्य न्यायाधीश एकलपीठ गठित करें, जो सांसदों--विधायकोंके लंबित मुकदमों के निपटारे की प्रगति की निगरानी करें। इसी आदेश के परिप्रेक्ष्य में कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर यह याचिका दर्ज की। सुनवाई के दौरान युगलपीठ ने हाई कोर्ट प्रशासन को सांसदों और विधायकों के लंबित मामलों की जानकारी पेश करने का निर्देश दिया। केंद्र शासन की ओर से असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल जिनेंद्र कुमार जैन व राज्य शासन की ओर से महाधिवक्ता पुरषेन्द्र कौरव के साथ उपमहाधिवक्ता आशीषष आनंद बर्नाड व हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से अधिवक्ता बीएन मिश्रा ने पक्ष रखा।

मोदी सरकार ने प्याज की बढ़ती कीमतों के चलते जमाखोरी पर रोक लगाने के लिए तय की स्टॉक सीमा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। प्याज की बढ़ती कीमत और उसे देखते हुए होने वाली जमाखोरी पर रोक लगाने के लिए सरकार ने प्याज की स्टॉक सीमा तय कर दी। शुक्रवार को इस संबंध में उपभोक्ता मामले मंत्रालय की तरफ से अधिसूचना जारी कर दी गई। स्टॉक सीमा नियम शुक्रवार से ही लागू माना जाएगा और अगले 31 दिसंबर तक मान्य होगा। नए नियम के तहत खुदरा व्यापारी दो टन प्याज का स्टॉक रख सकेंगे। थोक व्यापारी के लिए यह सीमा 25 टन तय की गई है। आयातित प्याज पर यह सीमा लागू नहीं होगी। प्याज की कीमत पर नियंत्रण पाने के लिए केंद्र ने सभी राज्यों के प्याज के बफर स्टॉक से प्याज निकालने के लिए कहा है। वहीं केंद्र सरकार की तरफ से भी राज्यों को प्याज

की आपूर्ति की जा रही है। अब तक राज्यों को केंद्र की तरफ से 35,000 टन प्याज की आपूर्ति की जा चुकी है ताकि प्याज के दाम पर लगाम लग सके। पिछले कुछ दिनों से प्याज की खुदरा कीमत में लगातार तेजी दिख रही है। उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक मुंबई में प्याज की खुदरा कीमत 86 रुपए प्रति किलोग्राम, चेन्नई में 83 रुपए प्रति किलोग्राम, कोलकाता में 70 रुपए प्रति किलोग्राम तो दिल्ली में 55 रुपए प्रति किलोग्राम बताई गई।

कोरोना टीकाकरण की तैयारियों में जुटी सरकार

पहले चरण में 30 करोड़ लोगों को खुराक देने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसियां। कोरोना वायरस के खिलाफ वैक्सीन की उम्मीद बढ़ी है। भारत में देश-विदेश की कम से कम पांच वैक्सीन क्लीनिकल ट्रायल के विभिन्न चरणों में हैं। उम्मीद की जा रही है इस साल के आखिर या अगले साल के शुरू में कोई न कोई वैक्सीन आ जाएगी। इसको देखते हुए सरकार ने भी टीकाकरण की तैयारियां शुरू कर दी है। इसके लिए केंद्र सरकार सीधे वैक्सीन खरीदेगी और प्राथमिकता वाले समूहों को उसे मुफ्त मुहैया कराएगी।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को

अपने स्तर पर वैक्सीन खरीदने से मना कर दिया गया है। प्रारंभिक चरण में 30 करोड़ लोगों वैक्सीन दी जाएगी। केंद्र ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों से नवंबर के मध्य तक प्राथमिकता वाले समूहों की सूची तैयार करने के लिए कहा है। प्रत्येक व्यक्ति के आधार को टीकाकरण वाली सूची से लिंक किया जाएगा ताकि उनका पता लगाने में आसानी रहे। सरकार ने पहले चरण में टीकाकरण के लिए प्राथमिक समूह के लोगों को चार श्रेणियों में रखा है। पहली श्रेणी में डॉक्टर, मेडिकल के छात्र, नर्स, और आशा कार्यकर्ता इत्यादि समेत एक करोड़ स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं। दूसरी श्रेणी में कोरोना के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम मोर्चे पर लड़ रहे करीब दो करोड़ नगर निगम कर्मी, पुलिस और सशस्त्र बलों के जवान हैं। तीसरी श्रेणी में 50 साल और उससे अधिक उम्र के करीब 26 करोड़ लोग हैं।

चौथी और आखिरी श्रेणी में 50 साल के उम्र के करीब एक करोड़ ऐसे लोग शामिल हैं जो पहले से ही गंभीर रोगों से ग्रस्त हैं और उनकी विशेष देखभाल की जरूरत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि अपने यहां पहले से कई तरह के टीके के लिए अभियान चलता रहता है। टीकाकरण के लिए आधारभूत सुविधाएं मौजूद हैं। कोरोना के लिए टीकाकरण में इसका लाभ मिलेगा।

कोरोना पर गठित राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति पहले ही वैक्सीन को सुरक्षित रखने के लिए कोल्ड चेन की सूची तैयार में जुट गई है। निजी क्षेत्र के कोल्ड चेन की सूची भी बनाई जा रही है, ताकि जरूरत पड़ने पर उनका भी उपयोग किया जा सके। इस बीच भारत के दवा महानियंत्रक (डीसीजीआइ) ने शुक्रवार को कुछ शर्तों के साथ भारत बायोटेक की कोरोना वैक्सीन 'कोवैक्सीन' के तीसरे चरण के ट्रायल के लिए मंजूरी दे दी है। कंपनी ने कहा है कि वह देशभर में 25 केंद्रों पर 26 हजार वॉलंटियर्स पर तीसरे चरण का ट्रायल शुरू करेगी। केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन की विषय विशेषज्ञ समिति ने हैदराबाद स्थित दवा कंपनी द्वारा विकसित वैक्सीन के पहले और दूसरे चरण के परीक्षण के नतीजों का आकलन करने के बाद तीसरे चरण के ट्रायल के लिए मंजूरी देने की सिफारिश की थी। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर भारत बायोटेक 'कोवैक्सीन' विकसित कर रही है।

त्योहारों के मौसम और सर्दियों के महीनों में कोरोना को लेकर बरतें सावधानी, स्वास्थ्य मंत्रालय की अपील

नई दिल्ली, आइएएनएस। त्योहारों का मौसम सभी लोगों को एक साथ लाता है, जो सभी समुदायों को सांस्कृतिक और भाषाई एकीकरण प्रदान करता है। हालांकि, इस साल चीजें थोड़ी अलग है। नवरात्रि और दशहरा बिल्कुल पास हैं तो दिवाली और क्रिसमस जैसे त्योहार आने वाले हैं। इस बीच सरकार ने लोगों को सार्वजनिक समारोहों से बचने, शारीरिक दूरी बनाए रखने और त्योहार मनाने को अपने घरों तक सीमित रखने की सलाह दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी एक सलाह में लोगों से अपील की गई है कि त्योहारों के मौसम और सर्दियों के महीनों में कोरोना को लेकर अति सजग रहने की जरूरत है, क्योंकि इस कारण कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है। सामाजिक शिष्टाचार बनाए रखने की इस अपील को

देशव्यापी जन आंदोलन अभियान के शुभारंभ के साथ आगे बढ़ाया गया है, जो त्योहारों को मनाते समय बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए लोगों को COVID-19 उपयुक्त व्यवहारों को अपनाने और अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

स्वास्थय मंत्रालय ने एक ट्वीट में लिखा है कि त्योहारों की खुशियों में सुरक्षा के प्रति लापरवाही ना बरतें। मास्क पहनें, हाथ धोएं और दूसरों से उचित दूरी बना कर रखें। 2 गज की दूरी, मास्क है जरूरी। यह एक महत्वपूर्ण समय है, हमारे हेल्थकेयर मशीनरी, डॉक्टर, नर्स और नागरिक अधिकारी चौबीस घंटे काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम COVID-19 के खिलाफ अपनी लड़ाई में विजयी हों। शारीरिक दूरी का पालन करके हम अपने हिस्से का काम कर सकते हैं क्योंकि हम अपने प्रियजनों को सुरक्षित रखते हुए इन बहुप्रतीक्षित त्योहारों को मनाना चाहते हैं। इससे पहले अपने संडे संवाद के एक अंक में भी स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों को कोरोना को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी थी। स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों को त्योहारों के मौसम में कोरोना से बचाव के तरीके समझाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की है कि वह त्योहारों के मौसम में सावधानी बरतें, अन्यथा कोरोना फिर से विकराल हो जाएगा।

शोध को बढ़ावा देने के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में चलेगी मुहिम

नई दिल्ली, जागरण ब्यूरो। उच्च शिक्षण संस्थानों को विश्वस्तरीय बनने की राह में शोध कार्यों में पिछड़े होने की बाधा अब दूर होती दिख रही है। संस्थानों को अब शोध के पर्याप्त मौके उपलब्ध कराए जाएंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इसे लेकर एक पूरी योजना तैयार की है। जिसके तहत उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध कार्यो को बढ़ावा देने के लिए खास मुहिम चलाई जाएगी। जिसकी शुरूआत अगले महीने से हो सकती है। इसके साथ ही उच्च शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अमल का जो खाका तैयार किया है, उनमें शोध को बढ़ावा देने के विषय को प्रमुखता से शामिल किया गया है। यूजीसी ने इस बीच शोध को बढ़ावा देने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम भी गठित कर दी है। इस टीम को अगले महीने तक रिपोर्ट देनी है। ग्यारह सदस्यीय इस टीम का मुखिया यूजीसी सदस्य डाक्टर एमके श्रीधर को बनाया गया है। टीम में शोध और नवाचार (इनोवेशन) के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को भी रखा गया है।

त्योहारी सीजन में चीन को लगेगा 40 हजार करोड़ रुपये का झटका

रायपुर, जेएनएन। त्योहारों के मौसम में बाजार पूरी तरह सजकर तैयार हैं। चीनी उत्पादों से आम लोगों के साथ-साथ व्यापारियों ने भी काफी हद तक दूरी बना ली है। कन्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का आकलन है कि इस साल दीपावली में ही चीन को देशभर के बाजारों से 40 हजार करोड़ रुपये का झटका लगेगा। बाजारों में केवल भारतीय उत्पाद ही बिकेंगे। कैट का अनुमान है कि दीपावली में चीन से आयातित सामानों का कारोबार 40 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी और प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव ने बताया कि इस दीपावली में लंबे इंतजार के बाद फिर से मायूस व्यापारियों के चेहरों पर रौनक लौटेगी। एक तरफ पिछले कई महीनों से घर में कैद आम जनता को लंबे समय के बाद किसी बड़े त्योहार में खुलकर

खरीदारी करने का मौका मिलेगा, वहीं सरकार की नई एलटीसी कैश वाउचर योजना के कारण भी गिरते बाजार को मजबूती मिलेगी। इससे पिछले कई महीनों से निराश बैठे और नुकसान उठा रहे व्यापारियों को थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। कोरोना के चलते बाजार और व्यापार अप्रैल से पूरी तरह से बंद पड़े थे। लाकडाउन खुलने के बाद से अब तक व्यापार में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है पर देशभर में व्यापार अभी तक पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट पाया है। मगर, इस दीपावली के त्योहारी सीजन से बाजार में ग्राहकों के फिर से लौटने और खरीदारी बढ़ने की पूरी संभावना है।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज शनिवार, 24 अक्टूबर, 2020

संक्षेप समाचार

महिला सुरक्षा को लेकर अब पुलिस रहेगी तत्पर

हनुमानगंज। नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वावलम्बन शक्ति मिशन के तहत शुक्रवार को सरायइनायत थाना परिसर में महिला हेल्प डेस्क का उदघाटन फूलपुर विधायक प्रवीण पटेल ने किया। थाना परिसर में बने महिला हेल्प डेस्क के आफि स का उदघाटन फूलपुर विधायक ने फीता काटकर किया। उन्हों ने प्रेस वार्ता में महिलाओं के सुरक्षा सम्मान तथा स्वावलम्बन को लेकर प्रत्येक थानों में खोले जारहे महिला हेल्प डेस्क को पुलिस प्रशासन की इस पहल को सराहनीय बताया। और आएदिन महिलाओं के साथ होरहे घटनाओं में नियंत्रण होगा। वहीं सीओ फूलपुर अजीत कुमार रजक ने भी अपने बीचार ब्यक्त करते हुए कहा कि महिला हेल्प डेस्क में हर पीड़ित महिला की उसके समस्या अनुसार मामले का त्वरित निस्तारण होगा और महिला हेल्प डेस्क से हर पीड़िता को एक परची काटकर दी जाएगी जिसमें घटना क्रम के साथ महिला पुलिस हेल्प लाइन नम्बर होगा उसके समस्यानुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर मामले का निस्तारण किया जाएगा। इंस्पेक्टर सरायइनायत संजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि महिला हेल्प डेस्क के अंतर्गत नारी सुरक्षा नारी सम्मान की सेवा में सराय इनायत पुलिस हमेशा तत्पर रहेगी। इस दौरान चौकी प्रभारी हनुमानगंज दीनानाथ यादव व सहसों भीष्म नरायन सिंह उप निरीक्षक कौशलेन्द्र दूबे, चन्द्रमा यादव ,आशुतोष पांण्डेय, धरमेन्द्र यादव, महिला आरक्षी स्वाती सिंह, नीलम भार्गव, ममता, रागिनी आदि मौजूद रहे।

बेकाबू ट्रक ने कोटेदार को मारी टक्कर, मौत

घूरपुर। घूरपुर बाजार स्थित हाइवे पर गुरुवार की देर रात ट्रक की टक्कर एक कोटेदार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना होते ही परिजनों में कोहराम मच गया । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था । शुक्रवार की शाम पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो परिजनों में फिर से करुण क्रंदन शुरू हो गया।

रोते बिलखते परिजन

घूरपुर के देवरिया ग्राम सभा के गड़रिन तारा निवासी हरिशंकर पटेल की घूरपुर बाजार में खाद बीज की दुकान है । हरिशंकर पटेल का दूसरे नंबर का पुत्र सुरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ बबुआन (34) घूरपुर में ही रहता है घूरपुर ग्राम सभा के सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान का संचालक है ।बताया जाता है कि गुरुवार की रात वह बीज कंपनी की मीटिंग करके बाराबंकी जनपद से लौटा था ।अभी वह किसी वाहन से गुरुवार की रात घूरपुर बाजार स्थित अपनी दुकान के सामने उतरा था और उस पार होने का इंतजार कर रहा था कि शहर की ओर से आये एक बेकाबू ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गया और कुछ देर में ही दम तोड़ दिया ।बाजार के लोगों ने देखा तो सूचना सुरेंद्र के घर वालों को दिया ।घटना की सूचना होते ही परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया ।पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । शुक्रवार की शाम जब शव

मृतक सुरेंद्र प्रताप सिंह (फाइल फोटो)

पीएम के बाद पहुंचा तो दरवाजे पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई । सुरेंद्र की पत्नी संगीता , बेटी विद्यावती, ममता, बेटे अरिमर्दन, रिपुदमन का रो रोकर बुरा हाल हो रहा था ।पिता हरिशंकर बेटे की मौत से बदहवास हाल में थे । दुर्घटना स्थल से चंद कदम दूर दुर्घटना करने वाली ट्रक ने आगे जा रही ट्रैक्टर में टक्कर मार दी। जिससे ट्रैक्टर ट्राली पलट गई।

मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने डॉक्टर पर जानलेवा हमला कर 50000 लूटे

घायल डॉक्टर

हंड़िया। हंडिया क्षेत्र के कूराकाठ गांव के निवासी डॉ अमित व उनके छोटे भाई डॉक्टर रामराज यादव जो कि हंडिया वार्ड नंबर 13 में मेडिकल स्टोर चलाते हैं। गुरूवार की रात 10:00 बजे रोज की तरह मेडिकल स्टोर बंद करके अपने घर मोटरसाइकिल से जा रहे थे। कि रास्ते में हंडिया रेलवे फाटक के पास पहले से ही दो मोटरसाइकिल सवार पांच बदमाशों ने डॉक्टर की मोटरसाइकिल रोक लिया। और कहा कि अपनी गाड़ी में से थोड़ा सा पेट्रोल दे दो जैसे ही डॉक्टर ने गाड़ी रोका, तो एक बदमाश ने डॉक्टर को पिस्टल सटा दिया। और डॉक्टर की बैग छीनने लगे तो डॉक्टर ने छीना झपटी की दूसरे बदमाश ने डॉ के सर पर डंडे से हमला कर दिया। डॉक्टर बुरी तरह घायल होकर गिर पड़े। बदमाशों ने बैग में रखा रुपया मोबाइल व सोने की चेन छीन कर भाग गए। डॉक्टर ने पुलिस को सूचना दी है अभी तक बदमाशों का कोई सुराग नहीं मिला है।

तमंचा सटाकर बदमाशों ने चाय व्यवसायी को लूटा, दहशत

सिरसा। मेजा क्षेत्र में कारोबारी को तमंचा सटाकर लूटपाट करने के मामले में मेजा पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लुटेरों को तलाश में जुटी हुई है। वही घटना को लेकर व्यापारियों में जबरदस्त आक्रोश है। मेजारोड व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने घटना का खुलासा न होने का सड़क पर उतरने की चेतावनी दी है। बकचूंदा गांव के विनोद कुमार पांडे मेजारोड चौराहे पर आर.के. ट्रेडर्स के नाम से चाय पत्ती का थोक कारोबार करते हैं। आरोप है कि सोरांव गांव के पास त्रिवेणी हैचरी के डाही मार्ग पर बोलेरो सवार आधा दर्जन बदमाशों ने उनसे मारपीट कर तमंचा सटाकर जबरन जेब से 22 हजार रुपये लूट लिए। मेजा थाना प्रभारी सुनील बाजपेई ने बताया कि उक्त मामले में एफ आई आर दर्ज कर

लुटेरों की तलाश जारी है। इस घटना से व्यापारियो में डर और भय का माहौल बना है। व्यपारियो अपने आपको सुरक्षित नही समझ रहे हैं।उधर व्यापार मंडल अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय और व्यपारियो ने पुलिस को चेतावनी दिया है कि जल्द घटना का खुलासा नहीं होगा तो व्यपार मण्डल और व्यापारी सड़क पर उतरने को बाध्य होंगे। कोतवाल ने बताया कि घटना की छानबीन की जा रही है। जल्द ही पूरे प्रकरण का खुलासा कर लिया जाएगा। गौरतलब हो कि इसी तरह बकचूंदा के एक राइस मिलर को तमंचा सटाकर बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया था, तथा एक महीने पूर्व उक्त घटना स्थल के पास ही बदमाशों ने एक घर को निशाना बनाया था। लेकिन मामला पुलिस ने ठंडे बस्ते में डाल दिया। व्यपारियो का कहना है कि मेजा पोलिस प्रशासन पूरी तरह अपराधियो के सामने अपना घुटना टेक चुकी हैं। इसी लिए क्राइम अपराध का दिन का दिन बढ़ोतरी हो रहा है। किसी भी अपराध का आज तक लोगो की न्याय नही मिला और नही सही मुजरिमों को पकड़ा गया। वही घटना के दो दिन बीतने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली है जिससे व्यापारियों और क्षेत्रवासियो में आक्रोश व्याप्त है।

दुर्गा पूजा देखकर लौट रहे ट्रक चालक को ट्रक ने कुचला, मौत

घूरपुर। इलाके इरादतगंज के बोगवा गांव के हाईवे पर दुर्गा पूजा देखकर लौट रहे ट्रक चालक को बेकाबू ट्रक ने कुचल दिया जिससे उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। दुर्घटना कर भाग रहे ट्रक को पुलिस ने पकड़ लिया।

इरादतगंज गांव के बोंगवा निवासी शिव बाबू पटेल पुत्र मुन्नी लाल ट्रक चालक था। वह विगत कई दिनों से छुट्टी लेकर घर पर आया था। गुरुवार देर रात घर के पास दुर्गा पूजा में शामिल होने गया था। वहां से घर वापस आते समय सड़क पार कर रहा था कि रीवा की तरफ जा रहा बेकाबू ट्रक ने कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को पीएम के लिए भेजा।पत्नी बबिता व बेटा प्रकाश सहित परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया।दुर्घटना कर भाग रहे ट्रक को पुलिस ने पकड़ हिरासत में ले लिया।

बुनकरों ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

15 अक्टूबर से प्रदेश के बुनकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं

मऊआइमा। फ्लैट रेट में बिजली की मांग तथा सरकार द्वारा बुनकरों से किए गए वायदे से मुकर जाने पर प्रदेश के समस्त बुनकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। अपनी मांगों को लेकर मऊआइमा पावरलूम बुनकर एसोशिएशन ने मुख्यमंत्री के नाम विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार को ज्ञापन सौंपें।

मऊआइमा क्षेत्र में लगभग दस हजार पावरलूम कारखाने लगे हैं तथा हजारों बुनकरों को रोजी रोटी मुहय्या होती है। जब से हडताल हुई है । मजदूरों के समक्ष रोजी रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है । बता दें कि बुनकरों को पहले फ्लैट रेट में बिजली मिला करती थी। मौजूदा प्रदेश सरकार ने बिलिंग को मीटर से कर दिए जाने को लेकर शासन स्तर से गुहार लगाई। सरकार ने बुनकरों से वायदा करके मुकर गयी। इसी को लेकर प्रदेश के बुनकर 15 अक्टूबर से हडताल किए हुए हैं।

एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपते बुनकर

हडताली बुनकर शुक्रवार को मऊआइमा पावरलूम बुनकर एसोसिएशन के अध्यक्ष शोएब अंसारी महामंत्री फारूक अंसारी तथा दानिश, सलीम, कौशर गयास, शौकत अली, हामिद, वासिक, वहाब अंसारी, समी उल्ला आदि ने एस डी एम सोरांव अनिल चतुर्वेदी को फ्लैट रेट में बिजली, आर सी वापस लेने, काटे गए कनेक्शन जोडने फर्जी बिलों को खत्म करने एंव 3 सितम्बर को अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल द्वारा किए गए वायदे को लागू करने आदि मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपें ।

पंडाल में जूता पहन कर जाने पर दो पक्षों में चले लाठी डंडे क्रास केस दर्ज

मऊआइमा। दुर्गा पूजा पंडाल में जूता पहन कर जाने पर दो पक्षों में जमकर मार पीट हुई। पुलिस ने दोनों ओर से एक दर्जन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सिसवां में दुर्गा पूजा की प्रतिमा स्थापित की गई है। भाई लाल पुत्र छेदी लाल का आरोप है कि उनके विपक्षी एक राय होकर पूजा पंडाल में जूता पहन कर आ गए मना करने पर मारे पीटे और जान से मारने की धमकी दिए।भाई लाल की तहरीर पर पुलिस ने शिव कुमार, शंकर लाल, लव कुमार, मुन्ना, श्यामू आदि के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उधर दूसरे पक्ष के शंकर लाल की तहरीर पर पुलिस ने सूरज कुमार, भाई लाला, मोती लाल ,मेवा लाल, जवाहरलाल, नीरज, धीरज, शक्ति बहादुर ,तथा दो आज्ञातों के खिलाफ एक राय हो कर घर में घुस कर मारने पीटने तोड फोड जान से मारने की से मारने की धमकी तथा छेड़खानी का मुकदमा दर्ज किया है।

मऊआइमा में महिला हेल्प डेस्क शक्ति मिशन का शुभारंभ

मऊआइमा। मऊआइमा थाना परिसर में नवनिर्मित महिला हेल्प डेस्क शक्ति मिशन का महिला ग्राम प्रधान ने फीता काटकर शुभारंभ किया। मऊआइमा थाना परिसर में शुक्रवार को नवनिर्मित महिला हेल्प डेस्क शक्ति मिशन का ग्राम सभा महरौंडा की महिला प्रधान गुड्डी देवी ने फीता काटकर कर शुभारंभ किया। इस मौके पर एसपी गंगापार धवल जायसवाल, सोरांव क्षेत्राधिकारी अशोक वेंकट के मऊआइमा थाना प्रभारी निरीक्षक राम केवल पटेल, कस्बा इंचार्ज अजीत कुमार, उपनिरीक्षक संदीप यादव, अश्वनी यादव तथा थाने का पूरा स्टाप के अलावा पूर्व चेयरमैन हाजी मो शोएब अंसारी, मेराज आरिफ, डॉ नदीम इंतेखाब, नूर उद्दीन सैफी, राम खेलावन पटेल, उमैर जलाल, मौलाना मुफ्ती हबीबुर्रहमान, सुभाष यादव एंव अंसार गर्ल्स इंटर कॉलेज की

महिला हेल्प डेस्क का शुभारंभ करती महिला ग्राम प्रधान

छात्राएं तथा अध्यापिकाएं सहित काफी लोग मौजूद थे। एसपी गंगापार ने बताया कि महिला हेल्प डेस्क शक्ति मिशन का प्रभारी महिला कांस्टेबल पूजा यादव एंव रंजना को बनाया गया है। इस हेल्प डेस्क का गठन का मकसद महिलाओं से जुडी हुई समस्याओं को सुन कर तत्काल निराकरण करना है। ताकि महिलाएं अपनी समस्या खुल कर महिला कांस्टेबल को बता सकें।

करछना में अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते फरियादियों की मुश्किले बढ़ी

करछना। कई दिनो से चली आ रही तहसील करछना मे हडताल के चलते फरियादियो के सभी कार्य बाधित हो गये है जिससे चरमराई व्यवस्था से लोगो मे काफी आक्रोश है,बता दे कि एसडीएम करछना व बार संघ करछना के अधिवक्ताओ के बीच काफी दिनो से अमर्यादित भाषा और लबित मामलो को न निपटाये जाने को लेकर तहसील के अधिवक्ता संघ एसडीएम के इस रवैये से अनिश्चित कालीन हडताल पर चल रहे है।प्रतिदिन सैकडो की सख्या मे आने वाले फरियादी मायूस होकर लौट रहे और लोगो मे यह चर्चा रही कि कबतक हडताल चलेगी जबकि अधिवक्ताओ ने जिलाधिकारी से भी वार्ता किया था लेकिन आश्वासन के अलावा मांगो पर कोई विचार न किए जाने से अधिवक्ताओ मे गहरी नाराजगी है।

महिला हेल्प डेस्क के शुभारंभ पर उपस्थित लोग

थानों में महिलाओं के लिए महिला हेल्प डेस्क का शुभारंभ

शंकरगढ़। शुक्रवार को जनपद के विभिन्न थानों में महिला हेल्प डेस्क का शुभारंभ किया गया यमुनापार के बारा, शंकरगढ़ सहित अन्य थानों में भी महिला हेल्प डेस्क का उद्घाटन किया गया। शंकरगढ़ थाना परिसर में भारतीय जनता पार्टी की नामित सभासद सुधा गुप्ता ने फीता काटकर महिला हेल्प डेस्क का उद्घाटन किया। मौके पर थानाध्यक्ष शंकरगढ़ राजेश उपाध्याय ने बताया कि किसी तरह की दिक्कत होने पर आप तत्काल थाने के सीयूजी नंबर पर फोन करें,आप की सूचना पूरी तरह से गोपनीय रखी जाएगी। वही सभासद सुधा गुप्ता ने कहा कि महिलाएं बिना किसी डर के अब अपनी शिकायत सरकार द्वारा दिए गए टोल फ्री नंबर या थाने के सीयूजी नंबर पर दर्ज करा सकती हैं।उनकी शिकायत पर तत्काल एक्शन लिया जाएगा।इस मौके पर तहसीलदार बारा डॉ विशाल शर्मा, राजस्व निरीक्षक प्राची केसरवानी, एसओ राजेश उपाध्याय, लेखपाल गंगा प्रसाद, शालिनी केसरवानी, समाजसेवी सतीश विश्वकर्मा, विद्यालय की छात्र छात्राएं व पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

लोन दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी, दर्जनों लोगों ने उतरांव थाने में दी तहरीर

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के अलम सराय मदारीपुर गांव का एक ब्यक्ति लोन दिलाने के नाम पर लगभग दर्जनों से ज्यादा लोगों को लाखों की ठगी किया है। जिसको लेकर उत्तराव थाने में एक दर्जन से ज्यादा लोगों ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सराय आलम मदारीपुर गांव निवासी मूलचंद पुत्र स्वर्गीय जो खादी ग्राम उद्योग व मुद्रा लोन के नाम पर लगभग दो दर्जन से ज्यादा लोगों से पैसा ऐंठ कर उन्हें ज्यादा से ज्यादा लोन दिलाने का आश्वासन दिया था। जिसको लेकर काफी समय बीत जाने पर लोग पैसा मांगे तो वह उन्हें जान से मारने की धमकी दिया। वही खुन्नस खाए लोग सहसो से आ रही उसकी ऑटो को ठगी में शिकार दो युवकों ने पकड़ लिया जिस पर मूलचंद ने पुलिस को फर्जी सूचना दी कि उसकी ऑटो की छिनौति कर लिए हैं।सूचना पर पुलिस ने आरोपी व ऑटो को थाने में लाकर पूछताछ कर रही थी कि सूचना पर एक दर्जन से ज्यादा लोग थाने पर पहुंच कर लोन दिलाने के नाम पर पैसा लिए ब्यक्ति के खिलाफ तहरीर दे दी। वही सराय थाना अंतर्गत जुनेदपुर निवासी राजेश रवि शंकर मुन्ना रामनरेश अरविन्द महेंद्र व थाना झूसी छिबैया निवासी हरीश यादव सराय इनायत थाना निवासी संजय कुमार अतुल एजेंसी के संचालक मोहम्मद इश्तियाक अहमद व उतरांव थाना क्षेत्र के पौड़न निवासी सरोजा देवी अनारो देवी सीता देवी आदि दर्जनों लाखों ठगी कर शिकार हुए लोगो ने उतराव थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पांव पूजन कर किया बेटी बचाओ का आह्वान : सरदार पतविंदर सिंह

करछना। बेटी बचाओ को अपने जीवन का लक्ष्य बना चुके समाजसेवी सरदार पतविंदर सिंह अपने युवा सहयोगीयों के साथ पिछले कई दिनों से गांव गांव, कालोनियों, वार्डो में बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ, बेटी खिलाओ का संदेश कन्याओं का पूजन के साथ चल रहा है समाजसेवी सरदार पतविंदर सिंह ने जगह-जगह चौपाल लगाकर कहा कि कन्याओं की घटती संख्या गहरी चिंता का विषय है समाज अपने दृष्टिकोण को बदले और भ्रूण जैसी अप्राकृतिक चीजों से बचें सम्मान और महिला सशक्तिकरण मुद्दे को अपने सेवा कार्यक्रम में प्रमुखता से हर जगह कहते हैं अपना सुधार ही संसार की सबसे बड़ी सेवा है को ध्यान में रखकर शुरूआत खुद से अपने आप से करें नारी सम्मान,नारी सुरक्षा हम सब की

बेटी के पांव पखारते सरदार पतविंदर सिंह

प्राथमिकता है बहिने, बेटियां, बहुएं शिक्षा व युद्ध कौशल प्राप्त कर बहादुर बने' सिलम बनने की अपेक्षा सबल बनना होगा। कन्याएं दो परिवारों को यशस्वी बना सकती हैं आत्म कल्याण की दृष्टि से तो कन्या देवी साक्षात मूर्ति है उसके नाम के साथ देवी शब्द को जोड़ा भी जाता है कन्या ही देश का भविष्य है यह संस्कारवान, सद्गुणों से नए युग का अब उदय होगा पाव पूजन अभियान बराबर चलता रहेगा।

समाजसेवी सरदार पतविंदर सिंह ने कन्या भ्रूण हत्या से देश में बिगड़ते संतुलन से चिंतित होकर बराबर विभिन्न धार्मिक, तीर्थ त्योहारों पर प्रयागराज में श्रद्धालुओं से जनसंपर्क कर सरदार पतविंदर सिंह ने समाज को जागरूक कर 'भ्रूण हत्या' अपराध को रोकने का प्रयत्न कर रहे हैं उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या को अपराध बताते हुए कहा कि कोई भी धर्म इस कृत्य की इजाजत कभी नहीं देता इसे रोकने के लिए दहेज प्रथा पर अंकुश लगाना जाए विद्यार्थियों को प्रारंभिक शिक्षा काल में नैतिक शिक्षा देने की व्यवस्था की जानी चाहिए। धार्मिक, राजनीतिक, संगठनों को कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान लगातार चलाने चाहिए जो लोग कर्मकांड बताकर लड़का पैदा होने के लिए धार्मिक उपाय की आड़ में ठग रहे हैं महिला एवं पुरुषों का अनुपात बिगाड़ रहे हैं लोगों की भावनाओं से खेल रहे हैं उन्हें भी सलाखों के पीछे करना चाहिए' बताते चलें कि कभी गंगा तट पर पतित पावनी की स्वच्छता का अभियान चलाने तो कभी चौराहे पर जूता पॉलिश करने वाले सरदार पतविंदर सिंह अब कन्याओं का पूजन करते हुए लोगों से बेटियों को बचाने को पढ़ाने की अपील कर रहे हैं नैनी गुरु नानक नगर निवासी,सरदार पतविंदर सिंह ने बाल अवस्था से सेवा का व्रत क्या लिया,तब से आज तक उसी में रमे हुए हैं सालों तक गंगा स्वच्छता, मतदाता जागरूकता अभियान में हिस्सा लेने वाले सरदार पतविंदर सिंह के रोम रोम में सेवा भाव छुपी हुई है खासकर मतदान, गंगा, बेटी को लेकर' मतदान, गंगा को लेकर पतविंदर सिंह ने तमाम अभियान चलाए पूरे शरीर पर मतदान अवश्य करें, गंगा स्वच्छता अभियान के स्लोगन लिखवा कर ना सिर्फ प्रयागराज बल्कि दिल्ली, चंडीगढ़ लखनऊ तक की यात्रा कर चुके हैं हर जगह एक ही संदेश देते हैं कि कन्या की तरह सुयोग प्रत्याशी चुने, मतदान अवश्य करें, व गंगा में कूड़ा करकट ना फेंके' कुंभ,अर्धकुंभ व माघ मेले के दौरान तो उनका प्रवास गंगा तट ही हो जाता है। सरदार पतविंदर सिंह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान से काफी प्रभावित हैं।

अब महिलाओं पर उत्पीड़न करने वालों की खैर नही एसडीएम गौरव रंजन श्रीवास्तव

लालापुर। लालापुर थाना में महिला हेल्प डेस्क के उद्घाटन के दौरान उक्त बातें कर एस डीएम बारा गौरव रंजन श्रीवास्तव ने कहा।शुक्रवार को लालापुर थाना में महिला हेल्प डेस्क का शुभारंभ बीजेपी की मनकामेश्वर मंडल अध्यक्ष बन्दना सिंह व हरिशंकर पाण्डेय इंटर कालेज की गरिमा मिश्र मिशन शक्ति की अध्यापिका ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया।थानाध्यक्ष लालापुर ने उपस्थित महिलाओं और जनता को महिला हेल्प डेस्क के बारे में बताया उन्होंने कहा कि अभी तक महिलाएं अपनी बात खुले मन से नही बता पाती थी अब सीधे संवाद से जोड़ा जा रहा है ।जिसकी मॉनिटरिंग उच्चाधिकारियों के माध्यम से होगी इसलिए कोई भी हीलाहवाली नही होंगी।अब मनचलों की भी खैर नही है हमारी टीम लगातार स्कूल-कालेज व सूनसान एरिया की सड़कों पर लगातार नजर रख रही है।स्कूलों में शिकायत पेटिका भी लगा दी गयी है जो प्रतिदिन खोली जाएगी।कोई भी शिकायत आने पर तत्काल करवाई की जाएगी।उपजिलाधिकारी बारा ने कहा कि महिलाओं के साथ छोटी भी गलती करने वालों को अगर 151 के तहत भेज गया तो उनको सीधे जेल की हवा खानी पड़ेगी।महिलाओं के साथ किसी का उत्पीड़न बर्दाश्त नही किया जाएगा।इस मौके पर श्रीहरि पाण्डेय इंटर कालेज के प्रबंधक आनंद शुक्ल,रोशनी सिंह,रूबी,रेनू, हर्षिता, अंजली,बबिता व प्रधान पंडुवा रशीदा बानो, अमिलिया विमला देवी,लालापुर की सीमा पाण्डेय,गीता शुक्ला,प्रियंका द्विवेदी,सुधा पाण्डेय,उमा पाण्डेय,डेरा बारी की सरोज मिश्रा,आलोक सिंह,रवि गुप्ता,अभिषेक ,अवनीश,आशीष मिश्र,दीप चंद्र शुक्ल,राहुल द्विवेदी सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

प्रयागराज हलचल

प्रयागराज शनिवार, 24 अक्टूबर, 2020

संक्षेप समाचार

जसरा में कोरोना पॉजिटिव मिली वृद्ध महिला,मचा हड़कंप

जसरा। जसरा के लाइनपार मोहल्ले में एक बृद्ध महिला को कोरोना की पुष्टि होने के बाद मोहल्ले में हड़कंप मच गया । महिला को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती करा दिया, जहां से वहीं के डाक्टरों ने महिला को होम क्वॉरंटीन के लिए भेज दिया है। जसरा लाइनपार मोहल्ले की एक 65 वर्षीय महिला चार दिन पूर्व बाथरूम में फिसल कर गिर गई । जिससे उसके पैर की हड्डी टूट गई । परिजनों ने उसे इलाज के लिए जसरा के एक निजी नर्सिंग होम ले गये। नर्सिंग होम के डाक्टर ने महिला की कोरोना की जांच के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा भेज दिया। दो दिन बाद शुक्रवार को आरटी पीसीआर की आई रिपोर्ट में महिला को कोरोना की पुष्टि हो गई। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने महिला को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल ले गई। तथा देर शाम महिला को वापस अपने घर 14 दिन के लिए होम क्वॉरंटीन होने के लिए भेज दिया है।

हिस्ट्रीशीटर पप्पू गंजिया के फार्म हाउस को किया गया जमींदोज

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई थानों की पुलिस फोर्स रही तैनात

नैनी। अपराधियों पर नकेल कसने के लिए जारी योगी सरकार के द्वारा अभियान के तहत प्रयागराज में अब तक कई माफियाओं के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई है। जिससे भूमाफिया से लेकर बाहुबली व शातिर अपराधी योगी सरकार के प्लान एक्शन से डरे व सहमे हुए हैं।

प्रयागराज में माफियाओं और अपराधियों की अवैध संपत्तियों के ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया लगातार जारी है। शुक्रवार को नैनी कोतवाली क्षेत्र स्थित गंजिया गांव निवासी एवं सपा नेता व पूर्व पार्षद मो. जावेद उर्फ पप्पू गंजिया का लगभग तीन बीघे में स्थापित फार्म हाउस को प्रयागराज विकास प्राधिकरण की टीम ने जमींदोज कर दिए। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के तहत कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात रही। नैनी कोतवाली क्षेत्र के गंजिया गांव निवासी मोः जावेद उर्फ पप्पू गंजिया समाजवादी पार्टी का नेता है और उसके खिलाफ हत्या, हत्या की सुपारी, रंगदारी, भूमि कब्जा समेत गैंगस्टर एक्ट के मिलाकर लगभग 29 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बीते चार माह पूर्व अरैल गांव के रहने वाले एक परिवार से 60 हजार की रंगदारी मांगने के आरोप में नैनी कोतवाली मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया था। बीते कुछ दिन पूर्व ही वह जमानत पर रिहा हुआ है। नैनी कोतवाली के मजारिया हिस्ट्रीशीटर पप्पू गंजिया का फार्म हाउस गांव के बाहर पौने तीन बीघे में आलीशान बना हुआ था। जिसमें जिम सेंटर से लेकर ऐशोआराम के हर सामान मौजूद थे। जिसकी कीमत करीब 10 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। सूत्रों पर यदि यकीन करें तो उक्त फार्म हाउस में शातिरों का आवाजाही बना हुआ था और वह इसी फार्म हाउस से ही अपने कारोबार को अंजाम देता था। इतना ही नहीं फार्म हाउस से लेकर आसपास सीसीटीवी कैमरे लगवा रखा था। हर एक गतिविधियों की जानकारी वह फार्म हाउस में बैठे ही सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से प्राप्त करता था। बताते है कि करीब 15 साल पहले यह आलीशान फार्म हाउस बनाया गया था।

पीडीए द्वारा ध्वस्त किया गया हिस्ट्रीशीटर पप्पू गंजिया का फार्म हाउस

अपराधियों एवं माफियाओं के खिलाफ चल रही कार्रवाई की वजह से पप्पू गंजिया की संपत्ति भी ढहाने की चर्चा काफी दिनों से चल रही थी। शुक्रवार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण के जोनल अफसर आलोक पांडेय व सत शुक्ला भारी पुलिस बल के साथ गंजिया गांव पहुंचे और लगभग आधा दर्जन जेसीबी मशीनों को लगाकर पूरे फार्म हाउस को जमींदोज कर दिया गया। कार्रवाई में करीब पांच घंटे का समय लगा। जोनल अफसर आलोक पांडेय ने बताया कि फार्म हाउस बिना नक्शा पास कराए निर्माण कराया गया था। भूमि कैसी है, इसकी जांच की जा रही है।

दिनदहाड़े बंद मकान का ताला तोड़कर 85 हजार चोरी

चोरी के बाद बिखरा सामान दिखाता भुक्तभोगी

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के तिगनौता, मन्ना का पूरा में शुक्रवार को दिनदहाड़े चोरों ने मौका पाते ही पुलिस को खुली चुनौती देते हुए एक बंद मकान का ताला तोड़कर हजारों रुपए नकदी समेत अन्य उपकरणों पर हाथ साफ कर फरार हो गए। सूचना देने के बावजूद मौके वारदात स्थल पर इलाकाई पुलिस जांच पड़ताल के लिए नहीं पहुंचे।

जानकारी के मुताबिक नैनी कोतवाली क्षेत्र के तिगनौता ग्राम सभा के मन्ना का पूरा मजरा निवासी देवेन्द्र कुशवाहा पुत्र सुरेश चंद्र कुशवाहा डांडी डाकघर के समीप रद्दी की दुकान चलाते हैं। बीते तीन दिन पूर्व देवेन्द्र की पत्नी अपने मायके गई हुई हैं।प्रतिदिन की तरह शुक्रवार सुबह वह अपने दुकान पर चले आए और दोपहर बाद जब वह भोजन करने के लिए घर पर पहुंचे तो मकान का ताला टूटा देख दंग रह गए। भुक्तभोगी के मुताबिक चोर दिनदहाड़े मौका पाते ही छत के रास्ते से होते हुए अंदर दाखिल हो गए और कमरों का ताला तोड़कर वहां पर रखे लगभग 85 हजार रुपए नकदी व एक जोड़ी पायल चोरी कर फरार हो गए। भुक्तभोगी ने चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पुलिस को तहरीर दी है।

थाना परिसर मेजा में महिला हेल्पडेस्क का विधायिका ने किया शुभारंभ

महिला हेल्प डेस्क का फीता काटकर शुभारंभ करती विधायिका

सिरसा। मेजा क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ का महिलाओं और बच्चियो के ऊपर हो रहे अपराध की रोकथाम के लिए प्रदेश सरकार ने सभी थानों पर महिला हेल्पडेस्क खोलने का आदेश दिया गया। इसी कड़ी में शुक्रवार को मेजा थाना परिसर में मेजा विधायिका श्रीमतीं नीलम उदयभान करवरिया ने महिला हेल्प डेक्स का उद्घघाटन किया। इस मौके पर एसडीएम मेजा रेनु सिंह, क्षेत्राधिकारी डॉक्टर भीम कुमार गौतम , थाना प्रभारी मेजा सुनील कुमार बाजपेयी, मेजा विधायिका निजी सचिव जितेंद्र कुमार शुक्ला, विधायक प्रतिनिधि शैलेश कुमार पांडेय और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर वुधायिक श्रीमतीं नीलम उदयभान करवरिया ने कहा कि महिलाओं और बच्चियो पर हो रहे अत्याचार और गंम्भीर अपराध को देखते हुए प्रदेश के यश्ववि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि प्रदेश में महिलाओं और बच्चियो पर होने वाले अपराध को देखते हुए सूबे के हर थानों में महिला हेल्पडेक्स खोल जाय जिससे महिला अपराध रोका जाये।इस हेल्पडेक्स के माध्यम से तत्काल शिकायत पर जल्द कार्यवाही होगा। और शिकायतकर्ता का नाम गुप्त रखा जाएगा।

महिला हेल्प डेस्क का शुभारंभ करतीं ग्राम प्रधान

नवाबगंज थाना परिसर में महिला हेल्प डेस्क का उद्घाटन

नवाबगंज। शासन की मंशानुसार शुक्रवार को थाना नवाबगंज परिसर में महिला सशक्तिकरण हेल्प डेस्क का उद्घाटन किया गया। ग्राम प्रधान आदमपुर विमला देवी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीओ सोराँव अशोक वेंकट ने कहा कि महिला सम्बन्धी अपराध के लिए यह शासन का महत्वपूर्ण कदम है। इंस्पेक्टर नवाबगंज सुरेश सिंह ने कहा कि अब महिलाएं बेहिचक अपनी बात कह सकेंगी।इस अवसर पर चौकी इंचार्ज श्रंग्वेरपुर अजय सिंह,एस०आई० राम कुमार,एस आई दीपक कुमार,एस आई मुनेन्द्र सिंह,चौकी प्रभारी मंसूराबाद राकेश गौतम,एस आई सोहराब खान,एस आई अरुण कुमार समेत थाने के सभी पुलिसकर्मी व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पूजा पंडालों में जगत जननी की आराधना कर कन्याओं का किया पूजन

दुर्गा पंडाल में देवी गीत गाती महिलाएं

शंकरगढ़। शारदीय नवरात्रि के पावन मौके पर शुक्रवार को पूजा पंडालों में भक्तों की भारी भीड़ रही। लोगों ने मां जगदंबा के कालरात्रि स्वरूप की आराधना की। इसके बाद कन्याओं का पूजन किया गया। कई स्थानों पर पूजा पंडालों में ही देवी भक्तों ने कन्याओं के पांव धोकर भोजन करवाया और दक्षिणा देकर आशीर्वाद लिया। कन्या पूजन और कन्या भोज का यह सिलसिला पूजा पंडालों के साथ ही देवी मंदिरों और घरों में भी दिन भर चला। इस वजह से आज बहुत से देवी भक्तों को कन्या पूजन और कन्या भोज के लिए दिनभर इंतजार भी करना पड़ा।

दूसरी तरफ कोरोना महामारी को देखते हुए स्थानीय पुलिस भी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करवाने में तल्लीन नजर आई। नगर पंचायत शंकरगढ़ के पुरानी बाजार में नवयुवक संघ कमेटी के सदस्यों में विनोद केसरवानी, अर्पित केसरवानी उर्फ सोमू, शुभम, हर्षित, प्रज्वल, प्रिंसू, आयुष, पंकज, अभय, लालू, अंशुल, सुशीला केसरवानी, मीना केसरवानी, अंकिता, आकांशा, पंखु, अग्रिमा, काव्या, तनुष्क, गुंजन, पूजा आदि भी दिनभर व्यवस्था संभालते नजर आए। थानाध्यक्ष राजेश उपाध्याय ने सभी लोगों से अनावश्यक भीड़ से बचने और फिजिकल डिस्टेंसिंग बनाए रखने की अपील की है। वही टीम उम्मीद के अध्यक्ष और वार्ड नंबर 3 के सभासद प्रतिनिधि सुशील पांडे ने सभी से अपील किया है, कि नवरात्रि के पावन पर्व पर माता रानी की असीम अनुकंपा से 9 दिन स्थापना के बाद नवमी 25 अक्टूबर रविवार को दोपहर 2 बजे से वार्ड नंबर 3 गुड़िया तालाब के पास भंडारा (प्रसाद)वितरण का आयोजन किया गया है।जिसमें समस्त क्षेत्र व नगरवासी पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करें।

दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन पर उपस्थित कार्यकर्ता

दो दिवसीय केंद्रीय प्रशिक्षण वर्ग का हुआ समापन

फूलपुर। वरुणा मंडल के तत्वाधान में आदर्श इंटर कालेज मैलहन में दो दिन से चल रहे भाजपा के केंद्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। अंतिम दिवस पर उपस्थित भाजपा कार्यकताओं ने सरकार द्वारा जनहित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के महत्व पर विस्तृत चर्चा की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ भाजपा नेता व काशी क्षेत्र के महामंत्री अमरनाथ यादव ने कहा कि सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं बनाई गई है। जिसका लाभ हर जरूरतमंद को मिल रहा है। जिला अध्यक्ष अश्वनी द्विवेदी ने सरकार की नीतियों के बारे में बताते हुए कहा कि भाजपा की निति सदैव गरीब, मजदूर,जवान,किसान के हित में रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा हर वर्ग के हित में कार्य करने वाली पार्टी है। मंडल महामंत्री चंचल पांडेय ने सरकार द्वारा जनकल्याण में चलाई जा रही योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करने की अपील कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष समर बहादुर मौर्य ने किया। कार्यक्रम को जिला महामंत्री जीतलाल त्रिपाठी, आशीष केशरवानी, श्याम बिहारी पांडेय, हरिभूषण सिंह, डा धीरज मिश्र ने भी सम्बोधित किया। मौके पर दिलीप यादव, मुकुंद लाल मौर्य, मनोज पाठक, रुद्र प्रताप सिंह, मनोज आचार्य ,विकास केशरवानी,दीपक केशरवानी, बड़कू पटेल, हरिकेश बिंद, विमलेश पटेल, प्रमोद सुधाकर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

लोगों को जागरूक करते हुए

कोरांव। कोरांव थाना परिसर में शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक चंद्रभान सिंह की अध्यक्षता में नारी सशक्तिकरण अभियान के तहत मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां महिलाएं व बेटियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान कोरांव थाने में महिलाओं को बेबाक होकर अपनी समस्याएं व परेशानी बताने तथा ऐसे मामलों के निस्तारण के लिए महिला हेल्प डेस्क की शुरूआत की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक कोरांव चंद्रभान सिंह ने कहा कि महिलाएं डरे नही निर्भिक होकर शिकायत करे। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला हेल्प डेस्क पर महिला पुलिसकर्मी तैनात रहेंगी। कहा गया कि महिलाएं अपनी बात पुरुष पुलिसकर्मियों से खुलकर नहीं कर पाती थी अब पीड़ित महिलाएं अपनी समस्या खुलकर बेबाक तरीके से महिला पुलिस कर्मियों से सीधे करेंगी और ऐसे मामलों का निस्तारण भी महिला हेल्पडेस्क के द्वारा किया जाएगा। इस दौरान प्रमुख रुप से संत मेंरीज स्कूल की प्रिंसिपल सिस्टर नवीना, अधीक्षिका सिस्टर फरीदा, भारतीय किसान संघ की जिला सहप्रमुख संतरा देवी, जिला पंचायत सदस्य चंद्रकली कोल, ज्ञान गंगा कोचिंग के डायरेक्टर रितेश तिवारी एवं स्कूलों की बालिकाएं मौजूद रहीं जहां महिला सशक्तिकरण व उनके हक अधिकारों के प्रति थाना प्रभारी व उपनिरीक्षक तथा महिला पुलिस कर्मियों के द्वारा जागरूक किया गया। इसी प्रकार खीरी थाना पर भी मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां महिलाओं को जागरूक किया गया।

मिशन शक्ति के तहत चला जागरूकता अभियान

कार्यक्रम में उपस्थित लोग

जारी। देश में महिलाओं व बालिकाओं के प्रति होने वाले विभिन्न तरह की हिंसा से एक तरफ जहां पूरा समाज व्यथित है वहीं प्रदेश सरकार भी इस मसले पर गंभीर है यही कारण है कि प्रदेश सरकार ने नारी शक्ति अभियान का आगाज किया। जिसे लेकर सामाजिक संस्था एजुकेशन रिसॉर्स सोसाइटी गंभीरता के साथ इस कार्यक्रम को हाथो-हांथ लिया। संस्था और जिला बाल सुरक्षा इकाई की साझेदारी में इस कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को गन्ने गांव में किया। जहां महिलाओं व बच्चियों पर होने वाली हिंसा पर बाल संरक्षण अधिकारी सुश्री ज्योत्सना त्रिपाठी ने अपनी बात रखते हुए बताया कि नारी किसी मायने में कमजोर नहीं। पितृ सत्तात्मक समाज ने कमजोर करने की कोशिश किया, जिसे तोड़ने के लिए देश की ज्योतिबाबाई , इंदिरा गांधी सहित दर्जनों महिलाओं ने महिला अधिकारों पर कार्य किया। इस डिजिटल युग में सरकार भी महिला सशक्तिकरण को लेकर काफी जागरूक है और कई योजनाओं को चला रही है। उन्होंने 1090,1098,181, 1076, 112, 102 व 108 जैसे निःशुल्क योजनाओं के संपर्क व प्रयोग के बारे ने बताया। उक्त कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकत्री सविता देवी, सहायिका निर्मला देवी ,आशा कलावती व सामुदायिक संगठन की महिलाएं, ललिता देवी, चमेली देवी, शान्ति तथा वालेंटियर महिमा विश्वकर्मा ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन ईआरएस संस्था की सुपरवाइजर नाजिया ने किया तथा आयोजन को सफल बनाने में पूरी टीम सहयोग किया।

अब गांवों में लीजिए सामुदायिक शौचालय की सुविधा का लाभ

शंकरगढ़। स्वच्छता अभियान को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से गांवों को भी सामुदायिक शौचालय की सुविधा से जोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में विकास खंड शंकरगढ़ की 76 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक शौचालय का निर्माण/ मरम्मत करवाया गया है, जिनमें से शुक्रवार को चार शौचालयों को स्थानीय स्वयं सहायता समूहों के सुपुर्द किया गया। आगे से इन सामुदायिक शौचालयों के संचालन की जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूहों की होगी।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

शुक्रवार को विकास खंड शंकरगढ़ के ग्राम नीबी, पगुवार, लोहगरा, कल्याणपुर में बने शौचालयों की जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूहों को दी गई। एडीओ (पंचायत) ओम प्रकाश पांडेय ने बताया कि विकास खंड शंकरगढ़ की समस्त ग्राम सभाओं में सामुदायिक शौचालय बनने हैं। सभी जगहों पर जल्द ही कार्य पूरा कर लिया जाएगा। शुक्रवार को 25 ग्रामों के शौचालय को स्वयं सहायता समूह को हस्तगत करना था, लेकिन समयाभाव के कारण चार ग्रामों के शौचालय को हस्तगत किया जा सका। शेष ग्रामों के शौचालयों को जल्द ही हस्तगत कर दिया जाएगा। ग्राम पंचायत पगुवार में महिला एवं बाल सामुदायिक शौचालय की देखरेख के लिए महिला स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष रन्नो देवी व कल्याणपुर में स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष को खंड विकास अधिकारी शंकरगढ़ देवेन्द्र कुमार ओझा ने जिम्मेदारी सौंपी। इसी तरह ग्राम पंचायत नीबी और लोहगरा में पंचायती राज विभाग द्वारा निर्मित महिला एवं बाल सामुदायिक शौचालय को स्वयं सहायता समूह की महिला अध्यक्ष को रखरखाव हेतु हस्तांतरण करते हुए सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) ओमप्रकाश पांडेय ने हस्तगत किया। इस मौके पर नीबी प्रधान हरीलाल कनौजिया, ग्राम विकास अधिकारी दीपेश सफाई कर्मी, प्रेरक आदि लोग रहे। एडीओ पंचायत ओम प्रकाश पांडेय ने बताया कि पंचायती राज विभाग द्वारा शौचालय की स्थापना की गई है, जिसको स्वयं सहायता समूह को हस्तगत कर दिया गया है। जिसमें सफाईकर्मी दिन में दो बार सफाई करेंगे, जिसके लिए ग्राम पंचायत द्वारा तैनात सफाई कर्मियों को 6000 रुपया दिया जाएगा। वहीं मरम्मत, रिपेयरिंग के लिये 500 प्रतिमाह, साफ सफाई आदि के लिए छह माह में एक बार 1200 रुपये, साबुन, पाउडर, साफ-सफाई आदि के लिए 1000 प्रतिमाह, बिजली-पानी मैनेजमेंट के लिए आवश्यकता पड़ने पर 1000 रुपया दिया जाएगा। उन्होंने अपील किया है कि जिन ग्रामों में शौचालय नहीं बन पाए हैं, वह सामुदायिक शौचालय का प्रयोग करें। यहां पर नहाने, मूत्रालय और शौच व्यवस्था होगी।

सामुदायिक शौचालय उद्घाटन के दौरान उपस्थित लोग

भारत विकास परिषद मंगलम की ओर से शिक्षक शिक्षिकाओं को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम को संबोधित करते नागेन्द्र सिंह

प्रयागराज। भारत विकास परिषद मंगलम की ओर से ज्वाला देवी इंटर कॉलेज में शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। जिसमें ज्वाला देवी के शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ अन्य इंटर कॉलेजों के 60 शिक्षक - शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस शेखर, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयं संघ के प्रांत प्रचारक श्री रमेश जी तथा देवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य युगल किशोर जी उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि जस्टिस शेखर ने बताया कि हमारे समाज के निर्माण में शिक्षकों और शिक्षिकाओं की भूमिका अतुलनीय है। किसी भी समृद्धि राष्ट्र के संरचना बिना शिक्षकों के अग्रणी भूमिका के नहीं की जा सकती है। प्रांत प्रचारक श्री रमेश जी ने अपने उद्बोधन में बताया कि शिक्षक व शिक्षिकाएं हमारे समाज के संरचना की नींव होते हैं। जो उचित और अनुचित का ज्ञान कराते हुए हमारे देश और राष्ट्र तथा समाज को दिशा और दशा प्रदान करते हैं। उन्होंने भारत विकास परिषद मंगलम के अध्यक्ष एवं मातृ - स्नेह फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं संरक्षक नागेंद्र सिंह द्वारा समाज के सर्वांगीण विकास के लिए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। मुख्य अतिथि अतिथियों का परिचय भारत विकास परिषद के अध्यक्ष नागेंद्र सिंह ने कराया। जस्टिस शेखर को अंग वस्त्र , मोमेंटो एवं पुष्पगुच्छ देकर के सम्मानित किया। प्रांत प्रचारक रमेश जी को भी अंग वस्त्र तथा पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। भारत विकास परिषद के रीजनल मंत्री संस्कार शिवनंदन नंदन गुप्त ने शिक्षकों के योगदान तथा समाज के निर्माण में उनके महत्व को बताया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा नेता पार्षद आशीष गुप्ता ने किया। इस मौके पर पूरे कालेज प्रशासन, शिक्षक शिक्षिकाएं, शाखा के सचिव डॉ उमेश चंद्र भट्ट, कोषाध्यक्ष निखिलेश श्रीवास्तव, हाईकोर्ट के पूर्व उप रजिस्ट्रार नागेंद्र जायसवाल, सुधीर द्विवेदी, विक्रम सिंह पटेल, उपाध्यक्ष भदोरिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षेप समाचार

अवैध गांजा के साथ युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

टेढ़ी मोड़ कौशाम्बी। कोखराज थाना के अंतर्गत भादवा गांव से बाइक सवार युवक को 4 किलो 100 ग्राम गांजा के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है योगी सरकार के सख्त आदेश के बावजूद जिले में गांजा का व्यापार आबकारी विभाग की मिलीभगत से फल फूल रहा है।जिले में लाखों रुपये के राजस्व की क्षति पहुचाने वाला आबकारी विभाग अपने निजी लाइसेंस से भांग की दुकानों में गांजा की बिक्री चलवा रहा है। पुलिस ने गांजा व्यापारियों पंर कार्यवाई शुरू कर दी पुलिस ने आरोपी को लिखापढी कर जेल भेज दिया।

बाल विवाह रोकथाम हेतु चला जागरूकता अभियान

कौशाम्बी। मिशन शक्ति अभियान के तहत जनपद कौशाम्बी में बाल विवाह रोकथाम, सहायता, तथा बाल विवाह करने और कराने वालों पर क्या दण्ड के प्राविधान है इस पर जनपद, ब्लाक, नगर पंचायत, ग्राम पंचायतों, विभिन्न धार्मिक स्थलों पर महिला कल्याण एवं आई0सी0डी0एस0 के सभी अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस क्रम में राजकीय आश्रम पद्यति बालिका इण्टर कालेज कोइलहा में महिलाओं तथा बालिकाओं के सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा लोगों को शपथ दिलाकर महिलाओं के अधिकारों के बारे में जानकारी दी गयी। तथा चायल अन्तर्गत भगवतपुर, नेवादा ब्लाक, कौशाम्बी सहित विभिन्न स्थानों पर बाल विवाह रोकथाम, सहायता, तथा बाल विवाह करने और कराने वालों पर क्या दण्ड के प्राविधान है आदि पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें अधिक संख्या में आम जनमानस लाभान्वित हुए। उक्त कार्यक्रमों में सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी, क्षेत्राधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, महिला कल्याण अधिकारी, तथा जिला बाल संरक्षण इकाई, के अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। उक्त जानकारी जिला प्रोबेशन अधिकारी कौशाम्बी ने दी है।

हाईटेंशन की चपेट में आने से महिला की मौत नातिन झुलसी

विद्युत उपखंड केंद्र सिराथू क्षेत्र का मामला

विद्युत करंट से मौत के बाद घटनास्थल पर जुटी ग्रामीणों की भीड़ का दृश्य

कौशांबी। सिराथू तहसील क्षेत्र के मलाक पिंजरी गांव के मजरा चकिया में झूलती विद्युत तार की चपेट में मां और नातिन आ गई है जिससे झुलस कर मां की मौके पर मौत हो गई है और नातिन गंभीर रूप से झुलस गई है जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है वही गंभीर रूप से झुलसी मां के लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पुलिस ने भेज दिया है हाईटेंशन तार की चपेट में आने से हादसे की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों का मजमा लग गया है और लोगों ने इस हादसे के पीछे विद्युत अधिकारी को दोषी ठहराया है समाचार लिखे जाने तक विद्युत विभाग ने इस हादसे की जिम्मेदारी नहीं ली है और अभी तक किसी दोषी पर कार्यवाही नहीं की है। घटनाक्रम के मुताबिक सिराथू तहसील क्षेत्र के मलाक पींजरी गांव के मजरा पितंबर पुर निवासी श्याम कली उम्र लगभग 50 वर्ष पत्नी बद्री प्रसाद अपनी नातिन रश्मि देवी के साथ शुक्रवार की सुबह खेतों की ओर जा रही थी वह जैसे ही गांव से कुछ आगे बढ़ी थी की विद्युत हाईटेंशन की तार झूल रही थी जिसे वह देख नहीं सकी और अचानक मां और नातिन हाईटेंशन विद्युत तार में चिपक गई विद्युत हाईटेंशन तार में चिपक जाने से मां और नातिन दोनों गंभीर रूप से झुलस गयी हैं और मौके पर ही माँ की मौत हो गई है और उसकी नातिन गंभीर रूप से घायल है घायल नातिन रश्मि को आनन-फानन में इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ट्रेन से कटकर होमगार्ड की मौत

मामला सिराथू रेलवे क्रॉसिंग के पास की घटना

अझुवाकौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के हावड़ा दिल्ली रेल लाइन के सिराथू के पास एक होमगार्ड की ट्रेन की टक्कर लग जाने से मौत हो गई है सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है हादसे की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है। जानकारी के मुताबिक ड्यूटी से वापस घर जाते समय ट्रेन की चपेट में आने से होमगार्ड बनवारी निवासी ग्राम सभा जवई पड़री पैंसा थाना की सिराथू रेलवे स्टेशन पर दुर्घटना में मौत हो गयी स्थानीय सिराथू पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

ब्यापारी से फिर हुई चरवा थाना क्षेत्र में लूट

चरवा थाना क्षेत्र के समसपुर गांव व धमसेड़ा गांव के बीच ब्यापारी को मारपीट कर किया लहूलुहान

चरवा कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र में दुकान बंद कर घर जा रहे ब्यापारी को मारपीट कर नगदी बाइक वा मोबाइल छीन कर बदमाश फरार हो गए है मामले की सूचना पुलिस को दी गयी है। घटनाक्रम के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र में टीका का पूरा गांव के रामप्रकाश पुत्र द्वारिका प्रसाद ने चरवा चौराहे पर कपड़ा की दुकान खोल रखा है बीती रात करीब 9:30 बजे दुकान बंद करके वह बाइक से घर जा रहे थे जैसे ही वह समसपुर गांव व धमसेड़ा गांव के बीच पहुँचे 4 अज्ञात लोगों ने उन्हें सड़क पर रोक लिया और तमंचा सटा कर उनसे 3 हजार रुपये नगद मोबाइल फोन व दो पहिया गाड़ी छीन लिए और फरार हो गए। लूटपाट कर रहे लोगो का रामप्रकाश ने बिरोध किया जिसपर उन्हें जमकर मारे पीटे जिससे रामप्रकाश बेहोश हो कर वही गिर पड़े थे तभी रास्ते से गुजर रहे राहगीरों ने उन्हें देखा तो राम प्रकाश के घर में मामले की सूचना दी सूचना पाकर घर वाले मौके पर पहुँचे और रामप्रकाश को चरवा के सरकारी अस्पताल में लाएं रामप्रकाश बेहोशी की हालत में थे। तभी कुछ देर बाद रामप्रकाश जब होश में आए हैं तब रामप्रकाश ने बताया कि मेरा मोबाइल व 3000 रुपये व बाइक लुटेरे छीन ले कर चले गए मामले की सूचना चरवा पुलिस को दी गयी मौके पर चरवा पुलिस पहुंची और घटना की जांच पड़ताल की है।

लोहिया वाहिनी पदाधिकारियों का किया गया जोरदार स्वागत

पार्टी कार्यालय में मौजूद नवनियुक्त पदाधिकारी

कौशांबी। समाजवादी पार्टी के लोहिया वाहिनी कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का आज समाजवादी पार्टी कार्यालय मंझनपुर में स्वागत सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया था इस कार्यक्रम के माध्यम से लोहिया वाहिनी की नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को जिला अध्यक्ष दयाशंकर यादव व लोहिया वाहिनी के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पाल ने माला पहनाकर नियुक्ति पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व चेयरमैन कैलाश केसरवानी शहनवाज अहमद इंद्रेश यादव पूर्व ब्लाक प्रमुख सुभाष पटेल गुलाम हुसैन शादाब अहमद पंकज सिंह भैया लाल पाल कुशल पटेल आनंद मोहन सिंह अनवार अहमद अनिल यादव हीरा पासी सुमित पांडेय अशोक कुमार मानसिंह भोला सरोज विकास यादव राजू यादव वीर सिंह यादव सर्वेश यादव रामकुमार यादव आशु त्रिपाठी एहसान अहमद जितेंद्र कुमार मौर्या अरविंद कुमार यादव राज कुमार पाल नरेंद्र प्रजापति जितेंद्र पाल तीरथ निषाद सुरेंद्र यादव दीपक सिंह विवेक शर्मा मनोज सोनकर धर्मेंद्र यादव रामयश राजकुमार यादव लव कुश बंटी मोहित विश्वकर्मा राजेश कुमार राहुल शर्मा विजयपाल परवेज रामस्वरूप मोहम्मद आकिब हरीश चंद्र पाल शेषमणि यादव महेंद्र निर्मल संजय कश्यप रोहित यादव अशोक पाल हिमांशु कश्यप शशि प्रकाश पाल राकेश कुमार पटेल अंकित विश्वकर्मा मोहम्मद शाहिद बादल यादव अश्वनी यादव शैलेंद्र प्रधान सहित तमाम लोग रहे।

राजस्व अधिकारियों ने विधायक पर लगे आरोपों को किया खारिज

चायल विधायक संजय गुप्ता द्वारा विधवा की जमीन हड़पे जाने का मामला

प्रेस वार्ता कर जानकारी देते चायल विधायक संजय गुप्ता साथ में बैठे अन्य लोग

कौशाम्बी। जिले के चायल तहसील क्षेत्र के परसरा ग्राम सभा की एक विधवा महिला ने सोशल मीडिया में खबर चलवा कर चायल विधायक संजय गुप्ता पर जमीन हड़पने का आरोप लगाया था मामले में चायल विधायक ने चायल तहसील प्रशासन को पत्र देकर जमीन की नाप जोख कराने का अनुरोध किया था जिस पर चायल तहसील के राजस्व कर्मचारियों और अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जब जमीन की नाप जोख की तो महिला का आरोप निराधार निकला है जिस जमीन पर चायल विधायक निर्माण करा रहे हैं वह उनकी खरीदी हुई जमीन है इस मामले में आज चायल विधायक संजय गुप्ता ने अपने विधायक कार्यालय में प्रेस वार्ता कर पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने कभी किसी की भी जमीन कब्जा नहीं की है उनका कहना है कि कुछ विरोधी राजनीतिक दल के लोगों द्वारा साजिश कर उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। चायल तहसील अंतर्गत ग्राम सभा परसरा की आराजी संख्या 89 रकबा 1. 587 हेक्टेयर की स्थलीय जांच तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व कर्मियों ने किया है राजस्व अधिकारियों की जांच रिपोर्ट के मुताबिक आराजी संख्या 89 में संजय गुप्ता विधायक का 0. 998 हेक्टेयर भूमि अभिलेखों में दर्ज है जबकि मौके पर उनके कब्जे में 0 905 हेक्टेयर भूमि पाई गई है राजस्व अधिकारियों का कहना है कि उक्त आराजी में शिकायत करती बंसी देवी पत्नी धर्मपाल निवासी परसरा का कब्जा नहीं है। उक्त जमीन राजस्व अभिलेखों में जितनी दर्ज थी राजस्व नक्शे में उससे कम दर्ज है लेकिन फिर भी तहसील के पूर्व अधिकारियों ने संपूर्ण जमीन के हिस्से से अधिक जमीन का पट्टा कर दिया था और अवैध तरीके से पट्टे को अभी तक तहसील प्रशासन ने निरस्तीकरण की कार्रवाई नहीं की है इसके चलते विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई है तहसील की जांच रिपोर्ट के बाद चायल विधायक पर लगे आरोप वेबुनियाद साबित हुए हैं और एक बार फिर विधायक चायल संजय गुप्ता की लोकप्रियता बरकरार रह गई है।

चाकू की नोक पर पूजा पंडाल से लूटी नगदी

पट्टी, प्रतापगढ़। खुद को जागरण मंडली का कलाकार बताते हुए एक युवक दुर्गा पूजा पंडाल में रखी दान पेटी का ताला तोड़ने लगा। विरोध करने पर वहां मौजूद युवक को चाकू दिखाकर आरोपित नकदी लूटकर फरार हो गया। पुलिस घटना की जानकारी से इनकार कर रही है। पट्टी कस्बे के मेला मैदान में सजाए गए दुर्गा पूजा पंडाल समिति के अध्यक्ष रवि मोदनवाल ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे एक युवक पंडाल में पहुंचा। खुद को जागरण मंडली का कलाकार बताते हुए जागरण कराने की बात कहने लगा। लोगों ने कोरोना संक्रमण के खतरे पर इससे इनकार किया तो वह इधर-उधर घूमने लगा। कुछ देर बाद वहां मौजूद मोनू सोनी घी लेने चला गया तो पंडाल में घुसकर आरोपित युवक दान पेटी का ताला तोड़ने लगा। इस बीच लौटकर मौके पर पहुंचे मोनू ने विरोध जताया तो आरोपित ने उसे फल काटने के लिए रखा चाकू हाथ में लेकर दिखाया और दान पेटी में रखी नकदी लूटकर फरार हो गया।

महिला से दुष्कर्म के प्रयास के आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रतापगढ़। महिला से दुष्कर्म के प्रयास के आरोप मे युवक पर मुकदमा दर्ज किया गया है।लालगंज कोतवाली के पयागीपुर बडी निवासी एक महिला का आरोप है कि बीती सोलह सितंबर की रात उसे घर मे अकेली देख छोटी पयागीपुर का भीम सरोज पुत्र शंकर सरोज घुस आया। आरोपी ने महिला से दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर महिला को जान से मारने की धमकी दी गई। पीडिता ने बाद मे परिजनो को आपबीती सुनाई। जिसके बाद परिजन लालगंज कोतवाली मे महिला को लेकर पहुंचे और आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर दी। तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म के प्रयास व जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज किया गया है। कोतवाल संजय यादव ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने दुकानों पर मारा छापा

दिलीपपुर,प्रतापगढ़। नवरात्रि दशहरा दीपावली त्योहार को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग को ग्रामीण क्षेत्र की बाजारों में खाद्यान्न गुणवत्ता की जांच की याद आ ही गई। आज मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार राय ने टीम के साथ दिलीपपुर बाजार में किराना की दुकान व मिष्ठान भंडार पर छापेमारी की जिसकी सूचना होते ही बाजार के किराना व्यापारी व मिष्ठान की दुकान चलाने वाले कई दुकानदार दुकान बंद कर भाग खड़े हुए । टीम ने खाद्य गुणवत्ता की जांच की जिसमे गोपाल किराना स्टोर पर मखाना लावा व बद्री किराना स्टोर पर बेसन का नमूना सील कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा । इस दौरान मिलावटखोरों में हड़कंप मचा रहा। खाद्य सुरक्षा टीम के निरीक्षण की सूचना लीक होने से आखिर मिलावटखोरों पर कैसे कसेगा शिकंजा जांच टीम सिर्फ खाना पूर्ति करके वापस लौट जाती है खाद्य पदार्थो में मिलावट और नकली खाद्य पदार्थ दिलीपपुर समेत पूरे जनपद के लोगों के जीवन के लिए खतरा बनी हुई है। टीम में जांच नमूना अधिकारी अंजनी मिश्रा संजय तिवारी राकेश कुमार सम्मिलित रहे ।

सर्पदंश से युवक की मौत, परिजनो मे मचा कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। खेत मे काम करने गये युवक की सर्पदंश से मौत हो गयी। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के असरही गुम्मौर निवासी अजीत पटेल 25 पुत्र सहदेव गुरूवार की रात आठ बजे अपने खेत मे कुछ काम करने गया था। यहां किसी विषैले सर्प ने उसे डस लिया। सर्पदंश से वह अचेत होकर खेत मे ही गिर गया। बाद मे परिजनो को जानकारी हुई तो आननफानन मे उसे उपचार के लिए अस्पताल भागे लेकिन रास्ते मे ही उसकी मौत हो गयी। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके मौत की जानकारी होने पर परिजनों मे कोहराम मच गया। परिजनो ने पुलिस को सूचना दिये बिना ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

नवरात्रि के अवसर पर दुर्गा पूजा पंडालों में उमड़ रही भीड़

कोविड 19 का दिख रहा असर, मास्क लगाकर श्रद्धालु कर रहे देवी के पूजन अर्चन

प्रतापगढ़। नवरात्र के पावन दिन में नगर व गांवों में माता के पूजन अर्चन के लिए मंदिरों के अलावा दुर्गा पूजा समितियों द्वारा माता की प्रतिमा स्थापित की जाती है जहाँ आस्था का सैलाब उमड़ता है। हालांकि इस बार भक्तों को कोविड 19 के चलते विशेष ध्यान देना पड़ रहा है। श्रद्धालुओं को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मां भगवती का दर्शन करना पड़ रहा है। जगह-जगह माता की मूर्ति स्थापित की गयी है जहाँ भक्तों की भीड़ उमड़ रही है और भक्तों द्वारा कोविड 19 से बचाव का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। अजगरा क्षेत्र अंतर्गत तेलियाही के पूरे रामू में भी भक्तों द्वारा माता की प्रतिमा स्थापित की गयी है जहाँ भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। भगवती के दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालु मास्क लगाकर और शोसल डिस्टेन्स का पालन करते हुए पंडाल में पहुँच रहे है। यहाँ नन्हे मुन्हो द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किया जा रहा है। इस अवसर पर पंकज गुप्ता, डेविड, रिंकू, रवि, कृष्णा, दीपक, गोपी, मोनू, शुभम्, दयाशंकर, राम सिंह, विजय, सन्तोष, डॉ रमेश, अजय, गणेश, विवेक, सुंदर, आदि सहयोग कर रहे है।

बेल्हा देवी धाम पर उमड़ी भीड़

प्रतापगढ़। शारदीय नवरात्र के सातवें दिन बेल्हा देवी धाम पर भीड़ उमड़ी। भोर से धाम पर श्रद्धालुओं की लम्बी कतार दिखने लगी थी। दोपहर तक लगातार इसमें बढ़ोतरी होती गई। हालात ऐसे बने कि मंदिर प्रशासन को पहली बार अहाते का गेट खोलना पड़ा। इससे श्रद्धालुओं के मंदिर जाने के दो रास्ते हो गए और कुछ राहत मिली।बेल्हा देवी धाम पर आम दिनों में भी सोमवार व शुक्रवार को श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है। शुक्रवार के साथ नवरात्र होने के कारण श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ हो गई। सुबह से ही धाम की ओर जाने वाली हर रोड पर जाम के हालात बन गए थे।

चढ़ाई कड़ाही, मुंडन भी कराया रू लॉकडाउन के बाद बेल्हा देवी धाम पर पहली बार शुक्रवार को ऐसा देखने को मिला जब श्रद्धालु परिसर में मुंडन करा रहे थे और महिलाएं कड़ाही चढ़ाकर पूड़ी-हलुआ बना रही थीं। इससे पहले परिसर के अंदर कड़ाही चढ़ाने व मुंडन कराने की मनाही थी।

महिला हेल्प डेस्क का पिपरी थाना में लोकार्पण

तिल्हापुर कौशाम्बी। मिशन शक्ति'योजना के तहत थाना पिपरी परिसर में महिला हेल्प डेस्क का लोकार्पण दिनांक 23 अक्टूबर को किया गया है इस कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की महिला शक्ति मिशन योजना के बारे में विस्तार से चर्चा की और वक्ताओं ने कहा कि योगी सरकार महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर है कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि किसी महिला या बालिका को कहीं दिक्कत होती है तो वह महिला शक्ति मिशन से सहयोग ले सकती हैं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि धरती श्रीवास्तव प्रधानाचार्य बी बी यस कालेज निधि श्रीवास्तव प्रधानाचार्य केडीसी कालेज प्रवीण सिंह केडीसी, भावना श्रीवास्तव केडीसी , तलत अजीज पूर्व जिलाध्यक्ष कांग्रेस कौशांबी, नेपाल सिंह पटेल अध्यक्ष , शिवमनी केसरवानी चेयरमैन चायल पिपरी थाना प्रभारी विजय कुमार राय कल्बे अब्बास खा रश्मि अग्निहोत्री आनंद सिंह और स्कूली बच्चों ने आदित्य शुक्ला बीबीयस पूजा विश्वकर्मा बीबीयस प्रियंका केडीसी के छात्रों सहित तमाम गणमान्य लोगों ने महिला शक्ति मिशन के तहत अपनी बातें रखी और लोगो को जागरूक किया

रबी सीजन की बोयी जाने वाली फसलों के बीजों को शोधित करके बोयें किसान : कृषि विभाग

कौशाम्बी। किसान भाइयों कृषि रक्षा अधिकारी ने सूचित करते हुए कहा है कि इस समय धान की फसल परिपक्वता की स्थिति में है, धान की फसल में मुख्यतः तनाछेदक, पत्तीलपेटक, झुलसा, भूरा धब्बा एवं भूरे फुदके एवं गन्धीबग के साथ-साथ मिथ्या कण्डुआ (फाल्स स्मट) का विशेष प्रकोप है। इसमें तना छेदक पत्ती लपेटक एवं भूरे फुदके के लिये कीटनाशक रसायन क्लोरोपायरीफॉस 20:म्ब 1 से 1.5 ली० प्रति हेक्टेयर या मोनोक्रोटोफॉस 1.25 ली० 500-600 ली० पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टयर की दर से छिड़काव करें। गन्धीबग के लिये लिण्डेन डस्ट या मैलाथियान 5 प्रतिशत अथवा फेनवेलरेट डस्ट 20-25 किग्रा० प्रति हेक्टेयर की दर से बुरकाव करें। झुलसा एवं भूरे धब्बे आदि के लिये कार्बेण्डाजिम 12 प्रतिशत . मैंकोजेब 63 प्रतिशत को 1-1.5 किग्रा० प्रति हेक्टेयर को 500-600 लीटर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। उन्होंने कहा कि मिथ्या कण्डुआ (फाल्स स्मट) ये बीज जनित रोग है, इस रोग में धान की बालियों के कुछ दानें पीले रंग के पाउडर में बदल जाते हैं जो बाद में काले हो जातें हैं। जिनको हाथ से छूने पर हाथ में पीले काले अथवा हरे रंग के पाउडर जैसे रोग के स्पोर लग जाते हैं। इसके रोकथाम के लिये कार्बेण्डाजिम 50 प्रतिशत 500 ग्रा० से 01 किग्रा० प्रति हेक्टेयर एवं कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत 2 किग्रा० अथवा प्रोपीकोनाजोल 25 प्रतिशत ईसी 500 मिली० 400 से 500 ली० पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें तथा साथ ही साथ किसान रबी सीजन की बोयी जाने वाली फसलों के बीजों को शोधित करके बोयें।

देवी मंदिरो में माँ कात्यायनी की हुई आराधना

सगरा सुन्दरपुर। नवरात्रि के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा करने का विधान है।मां कात्यायनी ने महिषासुर नाम के असुर का वध किया था। जिस कारण मां कात्यायनी को दानवों, असुरों और पापियों का नाश करने वाली देवी कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि मां कात्यायनी की पूजा करने से व्यक्ति को अपनी इंद्रियों को वश में करने की शक्ति प्राप्त होती है।शारदीय नवरात्र के छठे दिन देवी मंदिरो मे मां कात्यायनी के स्वरूप का पूजन-अर्चन का असर दिखा। श्रद्धालुओं ने देवी मंदिरो मे दुर्गा सप्तशती के मंत्रो का जाप कर मन्नतें मांगी। लक्ष्मणपुर विकास खण्ड के अंतर्गत डांडी बसावन,झलियन,डांडी खास, दया का पुरवा में नव दुर्गा माँ की पूजा व आरती हुई। कटवढ ग्राम सभा मे बाबा कटेश्वर नाथ धाम व संसारी मां के दुर्गा पूजा के अवसर पर पूर्व ब्लाक प्रमुख संजय कुमार तिवारी उर्फ बड़े तिवारी ने माथा टेक कर मन्नत मांगी। कोविड मानक के तहत श्रद्धालुओं ने देवी संकीर्तन मे मां के चरणों की पूजा अर्चना की। गांव मे मां दुर्गा के पाण्डालों का दर्शन-पूजन किया। कार्यक्रम मे देवी भक्तों ने कोरोना महामारी से मुक्ति को लेकर भी माँ से विशेष प्रार्थना की। भक्तों ने मां का प्रसाद भी ग्रहण किया।

दर्शन को कतार में लगे श्रद्धालु।

माँ अष्टभुजा के दर्शन से पूरी होती हैं मुरादें

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। स्थानीय बाजार में स्थित मां अष्टभुजा देवी धाम इन दिनों लोगों की आस्था और भक्ति का केंद्र बना हुआ है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु रोज प्रातःकाल से ही मंदिर पहुंचकर पूजन अर्चन करके प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। शारदीय नवरात्र के पहले दिन से ही मन्दिर में महिला वृद्ध युवा और बच्चों की भारी भीड़ लग रही है।भक्त धाम में पहुंच कर नारियल चुनरी प्रसाद आदि चढ़ाकर मां की विधि विधान से पूजा कर स्वयं को कृतार्थ कर रहे हैं। भक्तों को पूर्ण विश्वास है कि अष्टभुजा मां से मांगी गई मन्नत अवश्य पूरी होती है। मनोकामना पूर्ण होने पर लोग दर्शन करने आते हैं। और माँ को चुनरी चढ़ाते हैं। आस-पास के लोगों में नवविवाहित जोड़ें के सुखमय जीवन की कामना के लिए देवी के दर्शन की परंपरा भी है। क्षेत्र के उमरौंड़ा, उमरपुर ,नेवाड़ी, लोकापुर ,कानपुर, उमरी बुजुर्ग, सराय महासिंह , नेवाड़ी, लोकापुर ,दौलतपुर ,सोनपुर , पूरे बसावन आशापुर आदि गाँवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु रोज मां के दर्शन के लिए आते हैं।